शिक्षा मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

मंत्रिमंडल के लिए मार्च, 2025 माह का मासिक सारांश:

मार्च 2025 के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियाँ

(क) शिक्षा मंत्रालय ने दिनांक 05.03.2025 को 'लोगों में निवेश' विषय पर बजट उपरांत वेबिनार का आयोजन किया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने उद्घाटन सत्र में एक विशेष भाषण दिया। माननीय प्रधानमंत्री द्वारा बजट उपरांत दिया गया भाषण रोजगार सृजन को बढ़ावा देने-लोगों, अर्थव्यवस्था और नवाचार में निवेश पर केंद्रित था। वेबिनार में सरकार, उद्योग और शिक्षा जगत के विशेषज्ञ एक साथ आए और उन्होंने रोजगार सृजन, शैक्षणिक व्यवहार्यता, ऋण गतिशीलता और भविष्य के लिए तैयार कौशलों में प्रमुख सुधारों पर चर्चा की - जिससे विकसित भारत 2047 के अनुरूप अत्यधिक कुशल और वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी कार्यबल का मार्ग प्रशस्त हो सके। इन चर्चाओं में सतत आर्थिक विकास, सामाजिक समता और वैश्विक नेतृत्व सुनिश्चित करने के लिए मानव पूंजी में कार्यनीतिक निवेश की आवश्यकता पर बल दिया गया। सरकार कुशल कार्यबल को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध रही, जिससे भारत का नवाचार और प्रौद्योगिकी केंद्र के रूप में निरंतर विकास सुनिश्चित हो सके।

(ख) भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने दिनांक 03.03.2025 को राष्ट्रपति भवन में दो दिवसीय विजिटर सम्मेलन 2024-25 का उद्घाटन किया। इस सम्मेलन में निम्नलिखित विषयों पर विचार-विमर्श किया गया - शैक्षणिक पाठ्यक्रमों में व्यवहार्यता, बहु प्रवेश और निकास विकल्पों के साथ क्रेडिट साझाकरण और क्रेडिट अंतरण; अंतर्राष्ट्रीयकरण के प्रयास और सहकार्यता; अनुसंधान या नवाचार को उपयोगी उत्पादों और सेवाओं में परिवर्तित करने से संबंधित परिवर्तनकारी अनुसंधान और नवाचार; एनईपी के संदर्भ में प्रभावी छात्र चयन प्रक्रिया और छात्र विकल्पों को मान्यता; तथा प्रभावी आकलन और मूल्यांकन।

भारत की राष्ट्रपति 184 केन्द्रीय उच्चतर शिक्षा संस्थाओं की विजिटर हैं। उद्घाटन सत्र के दौरान, राष्ट्रपति ने नवाचार, अनुसंधान और प्रौद्योगिकी विकास श्रेणियों में आठवें विजिटर्स पुरस्कार प्रदान किए।

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर सरीपेल्ला श्रीकृष्ण को नवाचार हेतु राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन को बढ़ावा देने के लिए क्वांटम प्रौद्योगिकी में नवीन स्वदेशी नवाचार विकसित करने के लिए विजिटर पुरस्कार प्रदान किया गया। भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान के लिए विजिटर पुरस्कार हैदराबाद विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अश्विनी कुमार नांगिया को किफायती लागत पर बेहतर प्रभावकारिता वाली उच्च जैव उपलब्धता युक्त दवाओं और औषध की खोज और विकास में उनके महत्वपूर्ण अनुसंधान हेतु प्रदान किया गया। जैविक विज्ञान में अनुसंधान के लिए विजिटर पुरस्कार दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर रीना चक्रवर्ती और पंजाब केन्द्रीय विश्वविद्यालय के प्रोफेसर राज कुमार को संयुक्त रूप से प्रदान किया गया। प्रोफेसर चक्रवर्ती को यह पुरस्कार स्थायी मीठे पानी की जलीय कृषि में उनके शोध योगदान के लिए दिया गया है, जबकि प्रोफेसर राज कुमार को यह पुरस्कार विभिन्न कैंसर लक्षणों की खोज और सिंथेटिक कैंसर रोधी सीसा अणुओं के विकास में उनके शोध योगदान के लिए दिया गया है। प्रौद्योगिकी विकास के लिए विजिटर पुरस्कार, गति शक्ति विश्वविद्यालय के डॉ. वेंकटेश्वरलु चिंताला को लैंडफिल नगरपालिका मिश्रित प्लास्टिक अपशिष्ट से

वाणिज्यिक स्तर पर पेट्रोल और डीजल उत्पादन में उनके अनुसंधान योगदान के लिए प्रदान किया गया।

(ग) शिक्षा मंत्रालय (एमओई) और भारत के राष्ट्रीय पुस्तक न्यास (एनबीटी) द्वारा दिनांक 11 मार्च, 2025 को प्रधानमंत्री युवा लेखक मार्गदर्शन योजना जिसे युवा 3.0 के रूप में जाना जाता है, के तीसरे संस्करण का शुभारंभ किया गया। इस पहल का उद्देश्य 30 वर्ष से कम आयु के युवा लेखकों को प्रोत्साहित करना, उन्हें मार्गदर्शन प्रदान करना तथा उनके रचनात्मक लेखन कौशल को निखारने के लिए अवसर प्रदान करना है। युवा 3.0 अपने पूर्ववर्तियों युवा 1.0 और युवा 2.0 की सफलता पर आधारित है, जो भारत में साहित्यिक प्रतिभा को बढ़ावा देने और पढ़ने, लिखने व पुस्तक संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को जारी रखता है। यह योजना एक भारत, श्रेष्ठ भारत की संकल्पना के अनुरूप है, जो भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और ज्ञान के दस्तावेजीकरण और प्रसार को प्रोत्साहित करती है। पीएम-युवा 3.0 के विषय हैं: राष्ट्र निर्माण में भारतीय प्रवासियों का योगदान; भारतीय ज्ञान परंपरा; और आधुनिक भारत के निर्माता (1950-2025)। यह योजना ऐसे लेखकों का एक वर्ग विकसित करने में सहायक होगी जो भारत के विभिन्न पहलुओं पर लिख सकें, जिसमें अतीत, वर्तमान और भविष्य शामिल हों। इसके अलावा, यह योजना महत्वाकांक्षी युवाओं को स्वयं को अभिव्यक्त करने तथा प्राचीन एवं वर्तमान समय में विभिन्न क्षेत्रों में भारतीयों के योगदान के बारे में एक व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत करने का अवसर भी प्रदान करेगी।

****